

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Amit R. Halpati



21-year-old man's organs give new lease of life to six

Times News Network

Surat: The organs of a 21-year-old youth from Navsari, who died in an accident on July 12, have given a new lease of life to six people. Amit R. Halpati's kidneys, liver, pancreas, heart and eyes were harvested and transplanted in the bodies of patients in Ahmedabad and Uttar Pradesh.

Halpati, a resident of Gundevi taluka of Navsari district, who worked as a driver, fell from a motorcycle on his way to Billimora near Changa village on July 3. He was brought to New Civil Hospital (NCH) in Surat, where it was diagnosed that he had a blood clot in his brain. He was declared brain-dead on July 12 by the doctors. His mother Shri-



bek, brother Ajay and sister Dulashu decided to donate his organs.

A team of doctors from the Institute of Kidney Diseases and Research Center (IKDRC) harvested the organs. Halpati's heart was transported to SIMS Hospital in Ahmedabad in 18 minutes. It travelled 275 km and the heart was successfully transplanted in the body of 36-year-old Sohel Verma of Ahmedabad. This was made possible with a helping hand of Surat and Ahmedabad who provided a green corridor from New Civil Hospital (NCH) in Surat to SIMS Hospital in Ahmedabad.

Halpati's one kidney

and pancreas were transplanted in the body of Attila Bhatt, 42, a resident of Ahmedabad. His second kidney was transplanted in the body of Illoch Goyal, 26, a resident of Deoria in Uttar Pradesh. Halpati's liver was transplanted in the body of Bhavik Patel, 36, a native of Surat. His eyes will soon give sight to two persons. One eye was received as donation by NCH.

"Our hospital has made strides in cardiac research and this is the third successful heart transplant done by the team," said Dr Hiren Shah, a heart transplant surgeon and the director of the private hospital in Ahmedabad where the surgery was performed.

Hindu youth's heart beats in Muslim man

Hadpati's heart was flown from Surat to Ahmedabad, where it was transplanted to a resident from Anand

Ahmedabad Mirror Bureau
amfeedback@timesgroup.in

TWEETS @ahmedabadmirror

At a time when India is fighting communal forces attacking its diversity, the heart of a brahmin dead Hindu youth from Surat was transplanted to a Muslim man at a private hospital in the city. Amit Hadpati, a 21-year-old farm labourer from Surat was declared brain dead by Surat Civil Hospital. His heart, however, was successfully transplanted to 31-year-old Sohail Vora, a teacher at a madrassa, in a surgery that lasted about five hours.

Hadpati, died on Wednesday afternoon following a road accident that caused severe brain injury. The family of poor farm labourers, however, decided to donate his heart to Vora, a resident of Anand, who suffered from heart failure.

Dr Dhiren Shah, director and chief of heart transplant at the hospital, said, "Vora had a pace maker that had given him multiple shocks for dangerously fast heart rates. He was in a bad condition and in urgent need for heart transplant to save his life."

Shah said, "The donor family was happy and willing to donate the heart of their family member to save the life of another."

Shah's team was in Surat to collect the organ on Wednesday evening. "The process started on Wednesday evening and Amit's heart arrived by flight at 8 pm. The entire process of bringing the heart to the hospital from



Amit Hadpati (L), Sohail Vora

The heart knows no boundaries. Sohail is now stable



Dr Dhiren Shah

Surat to Ahmedabad was done in 81 minutes. A green corridor was created both at Surat and Ahmedabad to ensure that there were no hurdles on the way."

Amit's heart now beats in Sohail. Dr Shah said he had performed three such operations and even his first operation was that of a Muslim's heart transplanted into a Hindu. "The heart knows no boundaries. Sohail is now stable."

Hadpati's kidneys and liver were donated to different persons through Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) of Ahmedabad, while his eyes were donated to New Civil Hospital in Surat.

Organs of Navsari youth transplanted to 4 people

Surat: The heart, kidneys, liver and pancreas of a 21-year-old Navsari resident were transplanted into four people in Ahmedabad.

Amit Halpati was declared brain dead at the New Civil Hospital (NCH) on July 12 after he was severely injured in an accident on July 8.

A team of counsellors from DonateLife, an NGO working for organ donations, convinced Halpati's family to donate his organs. On Thursday morning, his eyes, heart, kidneys, pancreas, and liver were removed.

Halpani's heart was taken to CIMS Hospital, Ahmedabad on a chartered plane where it was successfully transplanted to one Sohel Vohra (36), a resident of Anand taluka in Kheda district.

Halpati's kidneys, pancreas and liver were donated to different persons. While one kidney and pancreas were transplanted to Ritika Bhatt (42), the second kidney was transplanted to one Hitesh Goyal (49), in Ahmedabad. The liver was transplanted to Bhautik Patel (36), a resident of Surat. His eyes have been donated to NCH ENS.



**मिसालः आणंद के सोहेल में धड़केगा
नवसारी के ब्लैन डेड अमित का दिल**

લેખ દિપાંકર રાહ

बालक एक्सोटेट के बाद नवलपुरी के बेनहेड जिला बीमा केंद्रों, सीधर, पौत्रिकाव, हाई और कार्मिचा में चार लोगों को न्यू जोपन मिला। इन सभी आँगन को अहमदाबाद के सिप्पम और आइकोडीसीआर लोसिपर्ल ने इन्हालाइट किया गया। 87 ऐन्टर में 277 किंवा कई दूरी तक कर चार लोगों को नह आँगन रोमांचके मिला गया।

ज्ञान लेह अमित के विल जो आवंद
निवासी सोहत बोहा मे सिंगर
हालिटल ने दृष्टि पर रिख गया।
बाजे सभी औरन झाँकेढोखीस
हालिटल ने अहमदाबाद दूसरांट
हआ जिसमे उड़मायाद निपायो

लक्ष्मारी के ब्रैनडेड अधिक के अवर्ग को चाह तोषों वो बंदलांड विष्या लगा

रात्रेश भट्ट में एक कहनी और एक लिखान उत्तर प्रदेश विधायक बदल निवासी हिमा गोवर में एक विठ्ठनी जनर्मन क्षुल निवासी थे जिनके नाम को लोग टाइपस्लॉट किया गया। 12 बजाहां को अधिक लंबे बेनड़ घोड़ियां किया गया था और नेट लाइन के प्रमुख नीलेश मंडलवाल की मद्द से अक्षयचार रिप्ट जैसे और अहमियती रसी हाईस्ट्रोल और सूजना दी गई। अक्षयचार से अपनी डॉक्टरों की टीम ने थोकन स्प्रोटर किया और जल्दी में लोगों में टाइपस्लॉट किया॥

सूरत से बारहवां हृदय दान, चार को मिली नई जिंदगी

नवसारी निवासी
व्यक्ति को ब्रेन डेड
घोषित किए जाने
के बाद परिजनों ने
किया अंगदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrิกा.com

सूरत नवसारी जिला निवासी एक युवक को न्यू सिविल अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया, जिरारो चार जनों को नया जीवन मिला है। सूरत से हृदय दान का यह 12वां मामला है, जबकि गुजरात में हृदय ट्रांसप्लांट की तीमरी घटना है। इनमें से हृदय सूरत से दान किए गए हैं।

नवसारी जिले की गणदेवी तहसील के खापरिया हलपतियास निवासी अमित रमण हलपति (21) ड्राइवर था। आठ जुलाई की रात साढ़े आठ बजे वह दोस्त बिहारी के साथ मोटर साइकिल पर खापरिया गांव से बिलीमोग जा रहा था। चांगा गांव के नजदीक सड़क पर खान आने से बाइक फिरात गई और दोनों चायल हो गए। अग्रिम के सिर में गंभीर चोट आई थी। उसे 108 एम्बुलेंस में नजदीक के अस्पताल ले जाया गया। परिजन बाद में उसे न्यू सिविल अस्पताल ले आए। डॉ. जिम्नेश शाह और डॉ. मेहुल मोदी ने उपचार शुरू किया।

सीटी स्कैन की रिपोर्ट में निमाग में रक्त की गाठ की जानकारी मिली। ब्रेनीयोटोमी कर रक्त की गाठ दूर की गई, लेकिन बुधवार को न्यूरो फिजिशियन डॉ. परेश शांशमेश और न्यूरो सर्जन डॉ. मेहुल मोदी ने उसे

ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ प्रमुख नीलेश मांडलेवाला बी टीम ने परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया। उनसे सहमति मिलने पर आईकड़ी आरसी की ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर प्रिया शाह को किडनी और लीवर का दान लेने के बुलाया गया। वहीं हृदय दान स्वीकारने के लिए सीम्स अस्पताल के ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. धर्म नाथ से सम्पर्क किया गया। दान में मिला हृदय आणंद निवासी सोहेल बोहरा (36) में ट्रांसप्लांट किया गया।

आईकड़ी आरसी के डॉ. जमाल रिजबी की टीम ने किडनी, लीवर और पेन्क्रीयाज का दान रखीकार किया। एक बिडुनी और पेन्क्रीयाज अहमदाबाद निवासी शितिका नीलेश भट्ट (42), दूसरी किडनी उत्तरप्रदेश गाजियाबाद निवासी हितेश गोयल (49) में ट्रांसप्लांट की गई, जबकि लीवर सूरत निवासी भौतिक विशेष पटेल (36) में ट्रांसप्लांट किया गया। चक्षुओं का दान न्यू सिविल अस्पताल के चिकित्सकों ने स्वीकारा।



જીવનદાન | ગુજરાતમાં હદ્ય ટ્રાન્સપ્લાન્ટો ત્રીજો બનાવ, પ્રેનડેડ અમિત હળપતિના હદ્યને આણંદના સોહેલ વહોરામાં ધબકતું થયું

ହିନ୍ଦୁ ଯୁଵାଗନ୍ଧୁ ଛଦ୍ୟ ମୁସିମ ବିରାଦ୍ରମାଂ ଧବକତୁ କରାଯୁ

卷之三

କୁଣ୍ଡଳ ପାତା
କୁଣ୍ଡଳ ପାତା
କୁଣ୍ଡଳ ପାତା

277 क्र. मौजूदा अंकों
95 वर्षीयां का हैं

ਹੈਂਦੀ ਨੂੰ ਟਾਕਾ ਪਾਵਣ
ਮੁਤਸਿਲ ਹੁਏ ਕਮਾ
ਅਮਦਾਧਾਰੀ ਸੀਜ਼ਾ
ਦੇਂਦੀ ਹੈ ਜੋ ਬਾਬੇ

www.bible.org

ଭେଦଭାବେ ଯାହା କରି ବେଳେତା ପାଇଲା
କାହାରେ ଏହା କରିଲେ କୁଣ୍ଡଳ
ନାହିଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କେବେଳା କୁଣ୍ଡଳରେ କାହାରେ କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା



સાર વાર્ષિકમાં નોંધાવ

ପ୍ରମାଣିତ ହେବାରୁ କାହାରେ ଏହା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

१०८ विषयकी शिखण्डी अंगूष्ठी

ભારતી વિશેષ

ગજાતમાં હણ્ય ટાલ્સાલાબનો ત્રીજો જનાપ ફેમાંથી બે હણ્ય સર્વત્રા દિતાઓએ આધ્યા

હિંદુ યુવાનનું હૃદય આણંદના મુસ્લિમ યુવાનમાં ધર્મકર્તાનું કરાયું

Java Profiler 2003

अग्रदूलानां पक्ष शोभी लेपताना इसीन
प्रयत्नाते ऐड जानेवे उत्तमा मुख्यता
नामे अंडित करोडे, लागति धर्माकाना
जिनेवे मुख्याना हठपये नाहिन्दा
मुख्यत्वं परिचयाना युवानां वसदातु
करायच, आयुषे, एवं ठेणु पुढाना
हठपये नुस्खीनं पुरानां द्रुतापात्रानं
प्रकानी राज्यां प्रवध उडी अन्यो
हे, साये आ पुरानी ग्रीष्मी,
लिंग, पैंचीप्रस, अन् बुद्धेना
धन करी तेपना परिचयानांते
नार, अल्लिनो नववक्षयाना नाशी
पानवानानी ऐड प्रवधनी धर्माक्षये
नवी दिवा असाहे हे, रुत भावे

इसां हृष्टनु ज्ञन गुरुत नवी विवरं
शेषीत्वां रहति, भी नु अंदर त्य
मीलितमा ध्रावने राप्त द्रुतापात्र
प्रवधत्वं पुरानां अनु गाडी चीध
दीप्तिक्षय, हठपयां आयुष अनु.

मुख्य तपा हठपये द्रुतापात्राना
आजो भावां नोडापे हे उमाया, अे
हठपये मुख्य तपा धारायां आवा ते.

ग्रादेवीना पापित्यावां रहेता
हापाति भमाज्ञा अभित अद्भार्त
तपाति (३) प्रूपितेनो अवसाय
करां ताता, यत तु शुष्टि ता देव
मोही शुष्टि नित यांवे शुष्टि दर अतो
ताते बाहिं शुष्टि वक ज्ञा अभित
आही उपरु, नवी पको नवो अतो

गीरवर्षातुं भावा मे छोड़ै, तुम्हारोंचा
प्रभाव हातानु तेज सुखानवी विनिष्ठ
त्रिशोषीत्वात्परी रहति, मैत्रीनु अस्त्रदेव
मानवामा व्याप्ति देवत्वं गुरुव्याप्त
प्रश्नाविषय पूर्णाच्या अन्ते गाढ़ी चीध
विनिष्ठात्वात् तात्पर्यात् आवाहत.

યુષ્ણ તમા હદ્ય હુ સખ્યાનનો
સોજો બનાવ નોછાડો કે હેમાંદી, એ

कर्म सुन्त वृत्त वाचसपाना वाच्या ४.
ग्रहदेविना वाचसिद्धानि रसेता
उपर्युक्त भवाचाला अभिष्ठ उद्ग आर्द
उपर्युक्त (२१) प्रूढ़देविनो व्यवस्थ
इत्यां इति । तत् ४ शुल्कं ता दे ज
मोरी वाचि दिव्य सांख्य वाचिक एव अती
तारे वाचिक शृण्य वक्त ज्ञा अभिष्ठ
वाचिक उपर्युक्त नामे पदो वाचो इति

અને માયામાં ગંગાની ઉલાણી હવેદ્યા
સેવાન ઘરી ગયો હતો. તેને પુરુષ
સાચાના માટે સુલુન નવી જિલેખાના
થી, કુન્ઝાંશ રાધ અને હો. મેદુલ
પદ્ધતિની સાચાના દેખા પાયકા કર્યાં
આપ્યો હો.

મનુષાના લોહીનાં ગઢે જાણી
એપો દોરનું નિદાન પણ હતું. એટા
સાથે એવી વિશ્વાસ કરીની હતી.

सारांश द्वारा प्राप्त ज्ञान का सम्पूर्ण अधिकार उपरोक्त विभिन्न विभागों द्वारा देखाया जाएगा। इसके अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा देखाया जाएगा। इसके अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा देखाया जाएगा।

સરતથી અમદિવાદ ૪૫ મિનિટમાં પહોંચ્યું

શુરત ની રેન્ડિંગ લોટિંગનાથી યાદીયાની હોય
લોટિંગના સુપીનું ૧૫૭ કિ. મી નું અંતર ત્ય મોનીએનું વર્ગીન
અમેરિકનું ચાલાં મોનીયાનું આવું કે ૩૬૦૦ સુન્દરીઓન
આવેના રેન્ડિંગની મોનીએ હોય (૩૬) આ હો. પ્રેરણ નામે
એ હોય કી એ હોય એ હોય એ હોય.

અમારી કાળીની પણ હશે આજાય.

प्राचीन मैत्र वर्षों आवेदी ऐसे हितों से पैदा हुए। इनमें जन्मनामनी संबंधी रिक्ति नालिया अहु (१२) एवं बोझ डिल्ली गारिल्ला आदि। उनकावेद्यना क्षेत्रावली लिखें गोल्कुड़ (१३) और द्वारा श्रावण-इत्यान्मुखी अप्पी दु. अपारे वीरों क्षुत्तना संबंधी भौतिक दिव्योंस्थानी गेल (१४) या दानाकुड़ इत्यामुखी अप्पी दु.

સુરતના હિંદુ યુવકના હૃદયનું દાન કરીને આણંદના મુસ્લિમ યુવકનો નવજીવન આપ્યું

અમદાવાદ, ૧૧.૧.૩

અમદાવાદની ચાત્રાને જ્યેષ્ઠ હિંદુ ધર્માભિકૃતોના જીવ પરાપર ગુરુત્વાનું રહેવાનું બચીન કિંદિએ અન્નીનાં પ્રાતન, જાનની જાગુ વરાચી દીપો ને ઘણા હજુ તાજી જ છે તાં આરતની રીતે, મેડિસ્ટ એર જરૂર થાય તેવી બના સુરત અને અમદાવાદમાં અની છે. સુરતના હિંદુ યુવકનું હૃદય આપે આર્દેના હેડ્ડ મુસ્લિમ યુવકના શરીરમાં બેસાદથું હતું ને એ શરીર તેને તથા અંડાની અપાઈ હતી. આજે રચાએ



કોષટકાના બેદ બેદ અગ્ર કરી છે કે ઉપરાંથી હજુ તેનું દાન મારું કરવાનું જ થયું. જેમાં અંદું અને બોક્સનું દાન રૂસાનાં જ થયું, આંદેના જાહેર મારે હતું હૃદય કર્યાનાં જાહેર રૂપ હતું. જ્યારે અમદાવાદના મહા નગરીનાં કાશ પાર્ક નાથ હડ્દે માટે રોધારી રહે માર્ગમાં આવી હતી.

અમોલનું હૃદય માર્ગા પ્રદીપ વર્દન, બેદ જોગયુલાના હંડા તેને અમદાવાદ લાયકાતાં આપ્યું, ગુરુત્વાળા ગર્ભરસ, બેસાદયા ગાડ ન કરી રહ્યા રહ્યા હું ક્રીસ્ટિયનની આંદું લોન હી રહ્યું રહ્યા આવી આપે કેડરસ્ટ સારીના પરિવારને અંગરેજન અનુ દેખાની રહત હતો ત્યારે રેખાંથી પૂર્ણ સરૂપાં જારીના અંગરેજ અન્નાં જાઓયાની જાતા પરાપર.

સુરતના અમિત હણપતિ આ જગતમાંથી યાદ્યો ગયો પરંતુ સાહિલના હૃદયમાં કાયમ માટે ધબકતો રહેશે

અમદાવાદની લિસ્ટ ક્રીસ્ટિયનાં આ અંગરેજન એર પણ હતું. અને વણનાં ડિગ્રી એફી કે કે, સુરતની અનીત લાયપર (૩.૩૮.૨૨) કેલ્કો ટેકલાન હિંદુની ક્રેડિન અંગરેજને દર્શાવે રોનાંથી હતો. રાખ અરીબ વસ્તુનો અંગીત મેન્ડલાયડાન હિંદુ પણ હતી હથી હતો ત્યારે તેને અકર્સાત એવી જીન તે બેચેન હેમેરેને ગારીએ પોતામાં દરી પણો. અમીત હડ્દે અંગરેજ બાંધે શહી હું અને અનુભાવ નાનામાં અડે રેખ

નાંતે, સુરતનો સેરા બાંધી સંસ્કૃત નાચ રહેતાના પરિવારને સમજાવવાનો આધ્યાત્મિક હૃદય અનીત નો તમને આપો નનાં નહીં, એવું તેના અત્યારેસ્ટસર રૂપ પરેવ તેના જંગેનું દાન થાય તો અનેંદ્ર દોષેના હિંદુના બાંધી રેખ કે.

અમોલના અરીબ માતા-પિતા અંગરેજ નહોંના, એવું તેમની પોતાના પુરાનું અંગીત કરવાની હા પણી, અને હડ્દે કોને જાણો રહ્યું તેના નાપણ હડ્દે કરીએ. અમદાવાદની લિસ્ટ

ક્રીસ્ટિયનાં આરતનો ૩૨ વર્ષનો મુસ્લિમ યુવક સાહીવ સાલ્વાર એટી રૂપો હાંદો, તેનું હૃદય ૧૫ ટકા જ કર્મ હતું હતું, તેનું દાર્ઢ ટ્રન્સફોર્મ દરબાર ક્રિએટ કેર્લ વિડિયો નાંતો સંસ્કૃતને તેને હૃદય આપવાનો નિર્દેશ દીપાં ને રદ્દાંદી સુરતના અનીતનું હૃદય ચાહેર તરીકે મેચ થયું. એવા હાર્દિક ગુરુનારે દાચારે અંગરેજન કરવાનો નિર્ણય દેવામાં આવ્યો.

ગુરુવાનાં બચારે સુરતના અમીત

ગણદેવીના બ્રેઈનડેડ યુવકનું હૃદય આણંદના મુરિલમ યુવકના હૃદયમાં ધબકશે

સુરતથી ૨૭૭

કિલોમીટરનું અંતર
૮૫ મિનિટમાં કાપીને
અમદાવાદ હોસ્પિટલમાં
પહોંચાડાયું

સુરત: ગણદેવીએં કુતરુ બાઈકની નીચે
આવી જતા બાઈક રલીપ થવાની ઘણાના
પગલે ઈજાગેરા બાંધી બ્રેઇનડેડ જાહેર
કર્યેલા અમિત રમણભાઈ હળપતિ એં
ગોનું ડેનેટ લાઈફના માધ્યમથી અંગદાન
કરવામાં આવ્યું છુટું ડિન્ડ યુવક અમિતનું
હૃદય આણંદના મુરિલમ યુવક સોહેલ વોહરા
(૩.૨.૮૮)ના હૃદયમાં ધબકશે.

વઠનાની વિગત એવી છે કે નવસારી
જિલ્લાના ગણદેવી તાલુકાના ખાપરીયા

ગણના વતની અમિત રમણભાઈ હળપતિ
બ્રવસાયે પ્રેર્ણવાટાં, તા. ૮ જુલાઈના રોજ
અમિત, ખાપરીયાદી બીકીમાંના પોંચાના
મિત્ર સાથે બાઈક પાછળ બેસી જઈ રહ્યો
છતો, ચાંગા ગામ પાસે સરતામાં કુતરુ અપવી
જતા અમિતને માધ્યમાં ભાગે ગંભીર ઈજાઓ
થઈ રહી એં તેને હોસ્પિટલ સારવાર માટે
૧૦૮ ગોબ્બુલન્સમાં આરેવમાં આવેલ બ્રામ
સેવા ટ્રસ્ટની, હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં
આવ્યો એટા વધુ સારવાર માટે તેને નવી
સિવિલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યો
છતો, જ્યાં સિટીસ્કેપામાં મગજમાં લોકિંપો
ગઢો જામી ગમો છોવાનું જાપ્યા, મળ્યું હતું,
સારવાર દરમિયાન સર્જિકલ આર્થસીયુના
ગે, નિલેશ કાંદ્રોયાએ આ બ્રેઇનડેડ દર્દી
વિશે ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માં
ઉલેવાલાને જાગ્ર કરતા તેમને પરિવારના
સભ્યોને અંગદાનમાં રસમજાઓ હતા.

અમિત હળપતિના અંગદાનથી ચાર લોકોને નવજીવન મળ્યું

અમિત હળપતિના અંગદાનને પગલે ચાર લોકોને નવજીવન મળ્યું હતું.
અમિતની એક કિડની અને પેનકિયાસ અમદાવાદની રહેવાસી રીતિકા નિલેશ
ભડુ (ઉ.વ. ૪૨) અને બીજી કિડની યુધીના ગાડિયાબાદના વતની હિતેશ
ગોબલ (ઉ.વ. ૪૮) જચારે લીલા સુરતના રહેવાસી ભૌતિક કિશોરભાઈ વ્યાસ
(ઉ.વ. ૩૬)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું, જચારે હૃદય આણંદના સોહેલ
વોહરામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું, ગણદેવીના ખાપરીયા ગામના
અમિત હળપતિનું હૃદય વિમાન માર્ગે રજી કિલોમીટરનું અંતર ૮૫ મીનિટમાં
કાપીને સુરતની નવી સિવિલ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલમાં
મોકલવામાં આવ્યું હતું, અહિ આણંદના દર્દી સોહેલ વોહરાના શરીરમાં હૃદય
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું, ગુજરાતમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટનો આ વીજો
બનાવ છે, જેમાં બે હૃદય સુરતથી આપવામાં આવ્યા હતા.

ગણાદેવીના બ્રેઇનડેડ યુવાનનું હદ્દય
આણંદના યુવાનમાં ધબક્તુ થયુ

(ପ୍ରମିଳିଙ୍କିତ) ସୁରେ, ଅନୁଗାମ
ହୁଏ ପରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଥାଏଇ ଶୈଖି ପରା,
ନାମାନ୍ତରେ କାହାରେତିମା ଦୂରନେ ନାହିଁ କିମିର
ଦେଖିଲାମନେ କାହାରେ ଦେଖିଲା କାହାରେ କାହାରେ
ଦୂରପରି ଯାଇଲେ କିମିର ପ୍ରମାଣରେ କିମିର
ପିଲା, ପାଞ୍ଚଶିଖ, କରୁଥିଲା କିମିର ପରା କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ ନାମାନ୍ତର ମଧ୍ୟରେ ମଧ୍ୟରେ
କାହାରେ କାହାରେ

卷之三



लालीयाकृष्ण देवा अने गुरुदत तस्ति अम
हिं रो रो वर्षीय अप्पो। समाजान्वय उपर्यो
ग्मं गं गं चीरं यत् शुक्रं अदृ अनुप्या
भवितेन दृ दृ पर चिन्तन संख्या विदृ विदृ

નાનાં સાલબા
અમિતાં નાની
ચિનિયાં કલાક
નાનાં ૧૫

બુદ્ધિમતી પ્રકાશની
જીવન જીવને કરો

2009-2010
3889247

અને તું કોઈ કોઈ લીધું, હિંદુ, હિન્દુ, હિન્દુઓનું જાણે
જુદુનોં હિન્દુ હિન્દુ હિન્દુનું હિન્દુનું હિન્દુનું હિન્દુનું

Digitized by srujanika@gmail.com

અમદાવાદના પ્રોજેક્ટ્સની કુલ રૂણ હું ખરી
અને તે વિવિધ પ્રોજેક્ટ્સને મેળવ્યાની
અનુભૂતિની બાબત આપી રહેં છીએ.

此段文字出自《水經注》卷之三。

દુઃખપતિ પરિવારે પુષ્પાન
પુત્રોનાં અંગોનું દાન કરતા
શર વ્યક્તિને નાણજીન અને
રોશની મળી

123456789

१२८ अन् १३० तुम्हारी जाति का असहाय
मुखीना बहुत ही अद्वितीय और अविवाहीन
समझाई गई। माझी जाति अनेकों प्राचीन
तथा दृढ़ देवी, देवता एवं पौत्रीयज्ञ,
१२ लक्ष्य अन् १३० लक्ष्य बहुत ज्ञान देखी
एवं अपनी जाति का असहाय बना देती है।

ગણાદેવીના બ્રેઈનડેડ યુવાનનું હદ્ય
આણંદના યુવાનમાં ધબકતું થયું

648033602

କୁଳ ପରମ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପାଠକ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ନେତ୍ରାନ୍ତିକା ଗ୍ରହଣକାରୀ ।

હળપતિ પરિવારે યુવાન પુત્રોનાં અંગોનું દાન
કરતા આર વ્યક્તિને જવજીવન અને રોશની મળી

କେବଳ ପରିମାଣରେ ବିଭିନ୍ନ ଅନୁଭବ ହେଲାଏ ତାହାର ବିଭିନ୍ନ ଅନୁଭବ ହେଲାଏ ତାହାର

ପରିବାର କୁଳ ଏବଂ ପରିବାର
ଅନ୍ତର୍ବିଦ୍ୟାକୁ ପରିଚାରିବାକୁ ପାଇଲା. ଯାହା
କିମ୍ବା କୋଣାର୍କ ପରିବାର କୁଳ
ଅନ୍ତର୍ବିଦ୍ୟାକୁ ପରିଚାରିବାକୁ
ପାଇଲା ଏବଂ କିମ୍ବା କୋଣାର୍କ ପରିବାର
ଅନ୍ତର୍ବିଦ୍ୟାକୁ ପରିଚାରିବାକୁ

三五

ଅନେ କଥାରୁ ତାହା କଥିଲେ ଯଦିମେ କଥାରୁ ଆପଣଙ୍କ କଥାରୁ

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ

ପ୍ରକାଶକ ପ୍ରମାଣିତ ହେଲା

20 अस्ति ते तु विद्या विद्या विद्या
विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या
विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या
विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

४२५ अस्ति विद्युता विद्युता ४२६ अस्ति विद्युता विद्युता विद्युता

ପାଇଁ କାହାର ନାମ ନାହିଁ ।

નવસારીના હિન્દુ ચુવકનું હૃદય આપણાંના મુસ્લિમ ચુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

બેનકેડ અમિત હળપતિએ અંગોનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓનાં જીવનમાં પ્રકાશ ફેલાવ્યો

સુરત, તા. ૧૩ : નવસારી જિલ્લાના ગાંધેવી તાલુકાના ખાપરીયા નામના અમિત રમશાખાઠ હળપતિએ ક્રીની, લોલર, પેન્ડીયાસ, લદ્દ અને ચલુઓનું દાન કરીને ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું છે. બેનકેડ અમિતનું હૃદય સુસૂતની નવી સિવિલ હોસ્પિટલથી ૨૭૩ કિ.મી.નું અંતર ૮૫ મિનિટમાં કાપાને હૃદયનું ટાનચાવાન્ટ આણાના મુસ્લિમ યુવક સેહેલ કોરામાં અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છતું. આસ ચુલ્લરાતમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટનો ક્રીનો અનાવ જેમાંથી જો હૃદય સુરત કરા જાપવામાં આવ્યા છે.

અમિત ગાડું મૌજુદાના ઘનિષ્ઠારે ૨.૩૧ના ૮.૩૦ વર્ષોએ જુદુ રહ્યો હતો. તારે ચાંચા શરીર પાણે અચાનક જામે ફૂટરુ રસ્તે જાતા તિકાએ અચાનક ક્રીની મોટરસાઈકલ રહીએ ચાઢ હતી. અમિત નીચે પટકાઠ જતાં તેને માથાના આગે ગંભીર લજા થતું બેભાન થઈ ગયો હતો. સુસૂતની નવી સિવિલ હોસ્પિટલમાં ડૉ. જી.કે.શ. શાહ અને ડૉ. મેસુલ મોહાનીની સારવાર હેઠળ રાગવામાં



આજો હતો.

ગાડકાલે તા. ૧૩ મી. ના રોજ ન્યૂરોકોરીશીયન ડૉ. પરેશ ગાંગમેરા અને ન્યૂરોસર્જન ડૉ. મેદુલ મોહાને અમિતને બેનકેડ આહેર કર્યો હતો. તેચા માતા. ડિશેન, ભાઈ અશ્વ, બનેવી રાકેશ. તેમ જી ખાપરીયાના. આમજ નો હોસ્પિટલમાં આવ્યા.

દત્તા. ઓર્ગન ડોનેશન કરવાની આણકારી આગી તેનું મહત્વ સમજાવ્યું છતું.

અંગોનું દાન કરીને ચાર-માંચ વ્યક્તિને નવું જીવન મળતું હોય તો અંગદાન આપવાની તૈયારી અતાવી હતી. સીમ્સ હોસ્પિટલમાં ડૉ. ઓર્ગનેટર નિખિલ વ્યાસ અને. ચીક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સર્કન ડૉ. દ્વાજ

નાયાને સંપર્ક કરતા તેમણે તેમ જ તેમની રીમે આગી હૃદયનું દાન નીકાર્યું છતું.

સુરતથી નવી સિવિલ હોસ્પિટલથી સુસૂત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગ તથા અમદાવાદ એરપોર્ટથી સીમ્સ હોસ્પિટલ સુધીના માર્ગને થીન ક્રીનિડેર ફરજમાં અ.વો. એ.

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

ગૈલાકોરીડોર બનાવી ૪૫ મિલિટરાં કુદયને સૃતથી અમાદાવાદ લખાય.

માનવધર્મઃ અજ્યયનું હદ્ય
સોહિલના શરીરમાં ધબક્ષાં

• विनियोग संकारन चाहे
प्रति वर्षात्तला दिलासा
ज्ञ विनियोग विकासात् ।

বেঙ্গলুরু জাতীয় বিপ্লবী মুক্তি



卷之三

१० वर्ष की उम्र से बचपन से ही जीवन की अद्भुतियों का अनुभव करने वाले एवं इस अनुभव की विशेषता का अनुभव करने वाले वे ही हैं जो जीवन की अद्भुतियों का अनुभव करने वाले हैं। जीवन की अद्भुतियों का अनुभव करने वाले ही हैं जो जीवन की अद्भुतियों का अनुभव करने वाले हैं।

ମାନ୍ୟରୂପ ମାନ୍ୟକୃତ୍ୟ,
କିମ୍ବା ମିଳିଲା ଯି ଯଦେ ନାହିଁ କିମ୍ବା
କିମ୍ବା ଯିଶ କୁମାର ପାଇଁ ତାହିଁ କୁମାର
ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କେବୁ ପାନେ ଖଣ୍ଡିତ
ଅକରାଣୀ ପରିମିତ ଭାବେ ଦ୍ୱାରା ବାହୀ
ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କରୁ ଏହା କିମ୍ବା ଉଚ୍ଚ ଗମନୀୟ
ପରିମିତ ପରିମାଣ କରିବାରେ ଆଜି ଲାଗୁ
କରାଯାଇଥାଏ ଏହାରେ ବ୍ୟାପିକ ପାଇଁ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

નવસારીના હિન્દુ યુવકનું હૃદય આણંદના
મુસ્લિમ યુવકને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું



નરસારીના બેનકડ
આમિત હળપટિના અંગોનુ
ચાર વ્યાનિટ્ને દાન

कर, तो यह विषय अपनी
मानी बेंगल भाषा की अपेक्षा
मुख्य रूप से अपनी अवधारणा
विविधता, या भाषा-विवरण
के लिए या विवरण-
विविधता की विविधता का रूप-
रूप है। यह दो ग्रन्थों में
दो विविध विवरण-विविधता
की विविधता का रूप-
रूप है।

दो विभिन्न रूपों में उत्तराधि-
कारी वाहनों का उपयोग किया जाता है। इनमें से एक वाहन एक
साधारण बाल वाहन है जिसकी दृश्यता अवृत्ति के रूप में दर्शायी जाती है। इसकी दृश्यता अवृत्ति के रूप में दर्शायी जाती है। इसकी दृश्यता अवृत्ति के रूप में दर्शायी जाती है।

www.sil

**ગણદેવીના બ્રેઇનડેડ યવકના અંગોના
દાનથી ચાર લોકોને નવૈ જુંદગી સાંપડી**

ગણાદેવીલા હૃતાપતિ ચુંઘકનું
હૃદય આશાંદના ચુંઘકના॥
શરીરમાં ધંજકતું વચ્ચે

କୁଳକ ଦୟା ଆପଣ ଖାତି
ଶ୍ରୀପ ପାପି ନରଜାଗିନୀ
ରାଜତେଜୀପାଦ ଶ୍ରୀମତୀ ରାଜମହିଲା
ପାଦତେଜୀପାଦ ନାଥାନ୍ତିର କବି ୩୫
ଅଧିକ ଶ୍ରୀ କଣ୍ଠ, କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ
ଶ୍ରୀପ ପୁରୁଷାନ୍ତିର ଦେଖି ଦୀର୍ଘ,
ମେତାକାଶୀ, ଚମୁ ଅନେ ହରକୁ ଧର
କରିବୁ ଯାଇ ଅଭିନନ୍ଦ ନରଜାଗିନୀ
ଶ୍ରୀପ ପାପିର ମନେକବି ଜୀ,

સુપરાર્થીનાં રાજકોટ પીમાં
ખાત્રીના નામનાં કલાકારીનામાં
અણે એને દર્શિયાં હાર્દિક એણ

કરવામા આજુ છ. દાનાને
સેવકાનાનીંબીના જીવિતની અને
પ્રેરણાની અભિવૃત્તાની વૈશિષ્ટ
નિયત અનુભૂતિ અનુભૂતિના અને એવી કૃતિની
અભિવૃત્તાની જીવિતાની અનુભૂતિ
નિયત જીવિત અનુભૂતિના
લોક મુખ્યાના અભિવૃત્તાની વૈશિષ્ટ
અનુભૂતિના દ્વારાનુભૂતિ કરવામાં
આજુ છ. ચુંચ અને અસીફા
કુરુક્ષાનમાંથી, અભિવૃત્તાની અનુભૂતિના
પ્રેરણાની અભિવૃત્તાની પરિદ્ધિની
અભિવૃત્તાની નિયત અનુભૂતાની
અને એવી કૃતિની જીવિત રીતની, જીવિત,
અનુભૂતિ, અનુભૂતિની અનુભૂતિની
અનુભૂતિની અનુભૂતિની અનુભૂતિની

બેઠિન કેડ હ્રાઇવરના અંગોથી ૪ વ્યક્તિની જિંદગીમાં નવી રોશની
માનવીય સંવેદના : હિંદુ યુવકના હદ્યનું
મુસ્લિમ યુવકમાં સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશન

- ગુજરાતમાં હૃદય ટ્રાન્સપોર્ટને ગીયો જાઓ, બે હાઉટ પો સુધીએ આપણા

१ वस्तुतीना बोर्डिंड ग्रूपवर
अंगेनु दान सम्म याच काम-
कामची दारी दारी याच. इन्हें
नवीकी प्राप्ति आवाहन ग्रूपवर
गुप्तमे देणे का काम कामवाला अंग
या वाचन नाही उ. ग्रूपवरांनी काम
कामवाला नाही तिंवा देणे
पांच वेळांत तीनवारीची अभ्यास का.

ମେଣ୍ଡ ଯାତ୍ରାକୁ କାହିଁ ଅନିମ
କିମି କିମି ଯାଏ ପାଇଁ ପାଇଁଥିଲେ
ଏହି କାହିଁ କାହିଁ ନୀତି ଚାହୁଁଥିଲା ଯାଏ
ଅନାଦି ଏକ ଏକ କୁଟୁମ୍ବ କାହିଁ କାହା
ପଶୁକାଳେ ମହାକାଳଙ୍କି ତମେ ପାଇଁଥା
ଥାଏ ମନୋର କିମି କାହିଁ ଜୀବ, ପୁରୁ
ଶାରସ୍ଵତ ମାତ୍ର କୁଳ ତିରିତ
ପିରିଷକମ୍ ପାଇଁଥିଲେ ଅନିମଙ୍ଗି
ବାଲିକାଙ୍କ କାହାର କାହିଁ ମନୋର
ଥାଏମେ କାହିଁଥିଲେ କୁଟୁମ୍ବ କାହିଁ
ମୁଖର ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ କାହିଁଥିଲେ କାହିଁଥିଲେ
ପିରିଷକମ୍ କାହିଁ କାହା, କେବେ କାହିଁ
କିମାଳା ପାଇଁଥିଲେ କେବେ କାହିଁଥିଲେ
କାହିଁଥିଲେ କାହିଁ କାହା, କାହିଁଥିଲେ କାହା
ଅନିମଙ୍ଗି ଯାଏ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ କାହିଁଥିଲେ ଆହୁତି ମାଧ୍ୟମ
କାହିଁଥିଲେ କାହାନେ କାହିଁଥିଲୁଣ୍ଠନ ମାଧ୍ୟମ
କାହିଁଥିଲୁଣ୍ଠନ ତମେ କାହିଁଥିଲୁଣ୍ଠନ ଅନେକମାତ୍ର
କାହିଁ ରାଜ୍ଞୀ ଯଥା କାହା, କେବେ

બેઈનડેડ પ્રાઈવરના અંગોથી દોડશે ચાર જિંદગી

નવસારીના હિન્દુ યુવક અમિતનું હદ્ય આણંદના મુસ્લિમ સોહેલમાં ધ્યકુશે

સુરત : નવસારીના બેઈનડેડ પ્રાઈવરના અંગોનું દાન કરાના ચાર જાણના જીવનની જારી રીતી રાકશે. વાંગ્મા સમયથી હાર્ટની નકલીકથી પીડાના આણંદના મુસ્લિમ યુવકમાં તેનું હદ્ય દ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાના નવ જીવન મળ્યું છે. ગુજરાતમાં હદ્ય દ્રાન્સપ્લાન્ટનો આ જીજો ડિસ્ટ્રિક્ટ છે, જેમાં બેદાર્ટ તો સુરતમાંથી અપાયા છે.

ગણદેલીના ખાપરીયાગામનો વતની અમિત રમણ હળપતિ (ઉ.વ.૨૧) પ્રાઈવર તરીકે કામ કરી પરિવારને આર્થિક રીતે મહદુમ કાંઈ હતો. ગત તા. ૮મીને સાંજે અમિત મિત્ર વિકામ રાવે પાઈક બીલીમોરા જઈ રહ્યો હતો, ત્યારે ચાંગાગામ પાસે કુતર્ણે આવી જતા સર્જાપેલા અકૃષ્ણાતમાં તેને માણના ભાગ જેન્ભીર ઈજા વઈ હતી. સ્થાનિક બાદ વધુ જારવાર માટે સુરત સિવિલ છોસ્પિટલમાં ખસેડાયેલા અમિતની અહીના તથીઓને તપાસ કરી મગજમાં જામેલો લોહીનો ગઢો ફૂર કર્યો હતો. દરમિયાન બુધવારે ન્યૂરોફીઝીશ્યન ડૉ. પરેશ જાંગમેરા, ન્યૂરોસર્જન ડૉ. મેહુલ મોહીને અમિતને બેઈનડેડ વોધિત કર્યો હતો. જેની સર્જરી વિભાગના તથીઓને ડોનેટ લાઈકના સભ્યોને કરી હતી. ડોનેટ લાઈક હાસ અમિતની માતા ઉકીબેન, બાઈ અજય અને બાહેન દ્વારાને અંગધાનનું મહત્વ સમજીવતા તેઓ



» ગુજરાતમાં હદ્ય
દ્રાન્સપ્લાન્ટનો જીજો
બનાવ, જેમાં બે હાર્ટ
તો સુરતથી અપાયા

સ્વજાનનું અંગધાન કરવા રાણી વધ્યા હતા. ડોનેટ લાઈકના પ્રમુખ નિલેશ માંલેવાલાને જાણાવ્યું હતું કે, અમિતનું હદ્ય, કિડની, બિવર, પેન્ડીઓસ અને ચશુનું દાન કરાયું હતું. સુરત સિવિલથી ૮૫ મિનિટમાં ૨૦૦ કિમીનું અંતર કાપી અમદાવાદની છોસ્પિટલમાં આણંદના સોદેલ વહોરા (ઉ.વ.૩૬)માં હદ્ય દ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જ્યારે કિડની અને પેન્ડીઓસ અમદાવાદની રીતિકા ભાડ (ઉ.વ.૪૪) બીજી કિડની પુષી, ગાંધીયાબાદના હિલેશ ગોયલ (ઉ.વ.૪૬) અને બિવર સુરતના ભૌતિક પટેલ (ઉ.વ.૩૬)માં દ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. તેમણે વધુમાં કશ્યું હતું કે, સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુપીમાં ડોનેટ લાઈક હાર્ટ ૩૧૧ કિડની, ૮૭ બિવર, ૬ પેન્ડીઓસ, ૧૨ હદ્ય અને ૧૮૦ ચશુના દાન મોળવી ૪૮૮ બોકોને રજીવન અને નવી રોજની બસી છે.